भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं.+*210

सोमवार, 13 दिसम्बर, 2021/22 अग्रहायण, 1943(शक)

ओडिशा में पर्यटन को बढ़ावा देना

+*210 श्री सप्तगिरी शंकर उलाकाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को ओडिशा में पर्यटन की संभावनाओं की जानकारी है क्योंकि राज्य में पर्यटकों को आकर्षित करने वाले स्थल, समुद्र तट, वन्यजीव, विरासत स्थल, ऐतिहासिक स्थल एवं मंदिर बहुत अधिक संख्या में है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा ओडिशा में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग) : एक विवरण सभापटल पर रख दिया गया है।

****

ओडिशा में पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 13.12.2021 को दिए जाने वाले लोकसभा तारांकित प्रश्न 210 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण ।

(क): जी, हां। ओडिशा राज्य में पर्यटन की पर्याप्त संभावनाएं हैं।

(ख) और (ग): पर्यटन मंत्रालय, "स्वदेश दर्शन" और "तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन" प्रसाद की अपनी योजना के तहत – राज्य सरकारों/ संघ शासित प्रदेश प्रशासनों/ केंद्रीय एजेंसियों आदि को देश में पर्यटन अवसंरचना के

विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से परियोजनाओं की विकास के लिए पहचान की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करने, योजना दिशानिर्देशों का पालन करने और पहले जारी की गई निधियों के उपयोग के अधीन स्वीकृत की जाती हैं।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:-

क्रमांक	**परिपथ का नाम**	**वर्ष**	**परियोजनाओं का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रुपए में)**
1	तटीय परिपथ	2016-17	गोपालपुर, बरकुल, सतपदा और ताम्परा का विकास	70.82

प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:-

क्र. सं.	**वर्ष**	**परियोजनाओं का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रुपए में)**
1	2014-15	मेगा सर्किट के तहत देउली में पुरी, श्री जगन्नाथ धाम-रामचंडी-प्राची रिवर फ्रंट में अवसंरचना का विकास	50.00

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ओडिशा सहित भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। अपनी चालू गतिविधियों के अंग के रूप में, यह "आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार" (डीपीपीएच) और "बाजार विकास सहायता सहित विदेश संवर्धन एवं प्रचार" (ओपीएमडी) की अपनी योजना के माध्यम से देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों के संवर्धन के लिए, 'अतुल्य भारत' ब्रांड-लाइन के तहत, विदेशों में महत्वपूर्ण और संभावित बाजारों में वैश्विक प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया अभियान जारी करता है। मंत्रालय की वेबसाइट (www.incredibleindia.org) और सोशल मीडिया खातों के माध्यम से भी नियमित रूप से प्रचार-प्रसार किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय ने ओडीशा में भुवनेश्वर सहित, देश में विभिन्न स्थानों पर केंद्रीय होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) और भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) की स्थापना करके पर्यटन और आतिथ्य उद्योग की मानवशक्ति आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक अवसंरचना के समर्थन के साथ प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा की एक प्रणाली भी स्थापित की है। मंत्रालय ने ओडिशा के बोलांगीर में राज्य आईएचएम की स्थापना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता भी प्रदान की है।

पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने रेल मंत्रालय के साथ 50:50 लागत साझा करने के आधार पर 22 अभिज्ञात किए गए रेलवे स्टेशनों पर पर्यटक सुविधाओं के विकास को स्वीकृति प्रदान की है, जिसमें से पुरी रेलवे स्टेशन पर परियोजना पूरी हो चुकी है। जिसके विवरण इस प्रकार है:-

क्रमांक	**वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत धन राशि (करोड़ रुपए में)**
1	2016-17	पुरी रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	6.15

*****